# INTERNATIONAL INDIAN SCHOOL,DAMMAM

## SUMMATIVE ASSESSMENT-1

SUBJECT-HINDI MARKS-90

CLASS-9 TIME-3 HRS

---

**निर्देश :—**

(1) इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

## खण्ड 'क'

**1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** 5

भारत के गाँव भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति के प्रतीक हैं। गाँव भारतवर्ष की आत्मा है और सम्पूर्ण भारत उनका शरीर। जिस प्रकार शरीर की उन्नति आत्मा की स्वस्थ स्थिति पर निर्भर होती है, आत्मा के स्वस्थ होने पर ही सम्पूर्ण शरीर में नवचेतना और नवशक्ति का संचार होता है, ठीक उसी प्रकार भारत की सही प्रगति तभी संभव है, जब भारत के गाँवों की तरक्की होगी। गाँधी जी कहा करते थे ''भारत का हृदय गाँवों में बसता है। गाँवों की उन्नति से ही भारत की उन्नति हो सकती है।'' अतः भारत की उन्नति नगरों की उन्नति पर नहीं अपितु गाँवों की उन्नति पर निर्भर करती है। ग्रामोन्नति का कार्य राष्ट्रोत्थान का कार्य है। पंत ने 'भारत-माता ग्रामवासिनी' कहकर इस तथ्य को निरूपित किया है।

(i) कौन सा कार्य राष्ट्रोत्थान का कार्य है?

(क) गाँवों की तरक्की का (ख) गाँवों को शहर बनाने का

(ग) गाँवों को आधुनिक बनाने का (घ) गाँवों को भारतमाता का मंदिर बनाने का

(ii) इस गद्यांश का मूल भाव है :

(क) गांधी जी और पंत के गाँवों से सम्बन्धित विचारों का परिचय देना।

(ख) भारतमाता के प्रति अपने कर्त्तव्यों को समझने की प्रेरणा देना।

(ग) भारत के गाँवों को शहरों की तरह बनाने की प्रेरणा देना।

(घ) भारत के गाँवों को प्रगति पथ पर ले जाने की प्रेरणा देना।

(iii) 'उन्नति' शब्द में उपसर्ग है :

(क) उन्  (ख) उत्  (ग) उ  (घ) उन्

INTERNATIONAL INDIAN SCHOOL LIBRARY SAUDI ARABIA

(iv) भारत का वास्तविक उत्थान होगा :

(क) जब गाँवों की तरक्की होगी।

(ख) जब शहरों का विकास होगा।

(ग) जब भारत के उद्योगों की तरक्की होगी।

(घ) जब नवशक्ति और नवचेतना का संचार होगा।

(v) भारत का दिल कहाँ निवास करता है?

(क) शहरों में (ख) कस्बों में (ग) गाँवों में (घ) भारतवासियों में

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** 5

भरतपुर का घाना पक्षी विहार विश्व के श्रेष्ठतम पक्षी-अभयारण्यों में गिना जाता है। एक शताब्दी पूर्व भरतपुर नरेशों द्वारा इसे एक आखेट-वन के रूप में विकसित किया गया था। उनतीस वर्ग किलोमीटर के इस क्षेत्र को छोटे-छोटे भागों में विभाजित किया गया है। देश के स्वतंत्र होने पर पक्षियों को विनाश से बचाने की आवश्यकता अनुभव हुई। फलत: राजस्थान सरकार ने 13 मार्च, 1956 को इसे पक्षी अभयारण्य घोषित किया। तभी से यह पक्षी-विहार पशु-पक्षियों के संरक्षण, प्रजनन व अध्ययन के लिए संरक्षित वन-क्षेत्र है और यहाँ पशु-पक्षियों के शिकार पर प्रतिबंध है। घाना पक्षी-विहार वर्षा ऋतु के आरंभ से वसंत ऋतु के अंत तक सैलानियों का स्वर्ग बना रहता है। इस अवधि में इसके लगभग ग्यारह वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक डेढ़ मीटर गहरे पानी का सागर लहराता रहता है। विशेषज्ञों द्वारा इस राष्ट्रीय उद्यान में तीन सौ पचहत्तर जातियों के पक्षियों की गणना की जा चुकी है। इनमें से दो सौ चालीस किस्म के प्रवासी पक्षी हैं। विदेशों से लगभग एक सौ दस जातियों के हजारों पक्षी प्रति वर्ष यहाँ आते हैं। शरद ऋतु में साइबेरिया, ताशकंद, मंगोलिया, तिब्बत, चीन, अफगानिस्तान, बलूचिस्तान, ईरान तथा जर्मनी तक के बहुरंगे हज़ारों पक्षी सर्दियाँ बिताने यहाँ आते हैं और ग्रीष्मारंभ होते-होते लौट जाते हैं।

(i) घाना पक्षी विहार किस रूप में विकसित किया गया था?

(क) सुंदर वन  (ख) आखेट वन

(ग) पक्षी अभयारण्य  (घ) छोटे-बड़े भाग

(ii) घाना पक्षी-विहार सैलानियों का स्वर्ग कब बन जाता है?

(क) शीत ऋतु में

(ख) शरद ऋतु में

(ग) वर्षा के आरंभ से वसंत ऋतु के अंत तक

(घ) ग्रीष्म ऋतु के अंत तक

(iii) विशेषज्ञों द्वारा घाना पक्षी-विहार में कितनी प्रजातियों की गणना की जा चुकी है?

(क) एक सौ सत्तर (ख) दो सौ पचहत्तर

(ग) तीन सौ पचहत्तर (घ) तीन सौ पचास

(iv) घाना को सैलानियों का स्वर्ग क्यों कहा गया है?

(क) ठंडी आबोहवा के कारण (ख) दर्शनीय स्थान होने के कारण

(ग) पक्षियों की भीड़ के कारण (घ) अनेक जातियों के पक्षियों के रहने के कारण

(v) 'पक्षी अभयारण्य' का तात्पर्य है जहाँ पक्षी :

(क) निर्भयता से खरीदे जा सकें। (ख) निर्भय होकर रह सकें।

(ग) भयभीत करने वाले हों (घ) पिंजड़े से खोल कर छोड़ दिए जाएँ

**3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** 5

इन्द्र देवता कोटर में तोते से आकर यूँ बोले।

'सब पक्षी उड़ गए यहाँ से, तुमने पंख न खोले।

रहने लायक वृक्ष गिरेगा, सोच रहे क्या मन में?'

तोता बोला 'इंद्रदेव'! मैंने कोटर में जन्म लिया।

वट के फल खाए, इसने रक्षा की, सम्मान दिया।

सुख-संपत्ति के साथी, विपदा आए करें किनारा।

देवराज! अब स्वयं बताओ क्या कर्त्तव्य हमारा?

इंद्र हुए खुश, बोले, 'प्रिय! जो माँगो वह वरदान मिले।'

तोता बोला, 'देव! कृपा से हरा-भरा यह ठूँठ खिले।'

तथास्तु कहकर देवराज फिर दिए न कहीं दिखाई।

हरा-भरा वट वृक्ष हुआ फिर हरियाली लौट आई।

जननी जन्मभूमि की खातिर कितना मन बलिदानी।

मन प्राणों में जगी रहे, तोते की यह अमर कहानी।

(क) काव्यांश में तोता किसका प्रतीक है?

(i) सभी पक्षियों का

(ii) देश भक्त मनुष्य का

(iii) सुविधाभोगी मनुष्य का

(iv) पक्षियों के नेता का

(ख) वट वृक्ष के सभी पक्षी क्यों उड़ गए?

(i) हरे वृक्ष की खोज में

(ii) भोजन की तलाश में

(iii) वृक्ष के सूखने के कारण

(iv) उपर्युक्त सभी कारणों से

(ग) 'सुख-संपत्ति के साथी' का अर्थ है :

(i) सुख में साथ देने वाले मित्र

(ii) दुख में साथ देने वाले मित्र

(iii) सुख से प्रेम करने वाले मित्र

(iv) सुख-दुःख दोनों में साथ देने वाले मित्र

(घ) तोते ने इन्द्रदेव से क्या वरदान माँगा?

(i) नया वट-वृक्ष

(ii) लंबा जीवन

(iii) वट-वृक्ष की हरियाली

(iv) सुख-संपत्ति

(ङ) काव्यांश संदेश दे रहा है :

(i) अपने देश से पलायन का

(ii) जन्मभूमि के प्रति आत्मसर्म्पण का

(iii) भौतिक सुख-सुविधा का

(iv) वृक्षों के संरक्षण का

**4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** 5

सच हम नहीं सच तुम नहीं

सच है महज संघर्ष ही।

संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।

जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झर कर कुसुम।

जो लक्ष्य भूल रुका नहीं।

जो हार देख झुका नहीं।

जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी ही रही।

सच हम नहीं सच तुम नहीं।

ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।

जो है जहाँ चुपचाप अपने आप से लड़ता रहे।

जो भी परिस्थितियाँ मिलें।

काँटे चुभे, कलियाँ खिले।

हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही।

सच हम नहीं सच तुम नहीं।

हमने रचा आओ हमीं अब तोड़ दें इस प्यार को।

यह क्या मिलन मिलना वही जो मोड़ दे मंझधार को।

जो साथ फूलों के चले।

जो ढाल पाते ही ढले।

वह जिंदगी क्या जिंदगी जो सिर्फ पानी-सी बही।

सच हम नहीं सच तुम नहीं।

(क) जीवन का सबसे बड़ा सच क्या है?

(i) मौज - मस्ती (ii) पानी सा बहना

(iii) संघर्ष (iv) परिस्थितियों के अनुकूल चलना

(ख) जीवन में विजयी कौन होता है?

(i) जो थककर बैठ जाता है। (ii) जो हारकर भी झुकता नहीं।

(iii) जो हारकर मार्ग बदल ले। (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

(ग) 'काँटे' और 'कलियाँ' से अभिप्राय है :

(i) दु:ख और सुख (ii) हार और जीत (iii) रात और दिन (iv) धूप और छाया

(घ) जीवन का संदेश है कि किसी भी परिस्थिति में मनुष्य :

(i) हार न माने। (ii) हिंसा न करे। (iii) चुप ने बैठे। (iv) झूठ न बोले।

(ङ) काव्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है :

(i) संघर्ष ही सच है। (ii) सच हम नहीं। (iii) जीवन क्या है। (iv) किसकी जीत।

## खंड: ख (व्यवहारिक व्याकरण)

5. (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए। 5

संदिग्ध, आलोक

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से अनुस्वार के उचित प्रयोग वाले उदाहरण चुनकर लिखिए-

संक्षिप्त, संपर्क, रास्ते, अग्रेंजी

(ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर लगे अनुनासिक के प्रयोग वाले शब्द लिखिए -

मियाँ, पद्दाँश, सँसार, माँगने

(घ) निम्न शब्दों में उपयुक्त स्थान पर लगे नुक्त के प्रयोग वाले शब्द लिखिए -

मज़हब, फ़ौरन, फिक्र., फाय़दा

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए : 4

उपरि + उक्त, अभि + उदय

(ख) निम्नलिखित शब्दों का सन्धिविच्छेद कीजिए :

कपीश , रमेश

7. (क) निम्नलिखित शब्द में प्रयुक्त मूल शब्द व उपसर्ग अलग कीजिए। 6

(i) प्रकार

(ख) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त मूल शब्द व प्रत्यय अलग कीजिए।

(i) साप्ताहिक (ii) रमणीय

(ग) निम्न वाक्यों में विराम चिह्न लगाइए।

(i) नेता जी ने कहा था तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा

(ii) वह लड़की चली गई जिसने यह चित्र बनाया था

(iii) वह घर पहुँचा नाश्ता किया और पढ़ने बैठ गया

## खंड: ग

8. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5

(1) बचेंद्री पाल कौन थी? उसे किनके साथ चढ़ाई करनी थी?

(2) भगवाना अपने परिवार का निर्वाह कैसे करता था? 'दुख का अधिकार' के आधार पर लिखिए।

(3) हमारी सभ्यता धूल से क्यों बचना चाहती है?

**९. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए :** 5

एवरेस्ट जैसा महान अभियान पूर्ण समन्वय, सहयोग और सहायता की भावना के बिना असंभव है। तर्क और उदाहरण सहित समझाइए।

**अथवा**

**लेखक के मस्तिष्क में यह विचार क्यों कौंधा कि अतिथि सदैव देवता नहीं होता?**

**10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** 1+2+2=5

जिसका बचपन गाँव के गलियारे की धूल में बीता हो, वह इस धूल के बिना किसी शिशु की कल्पना कर ही नहीं सकता। फूल के ऊपर जो रेणु उसका श्रृंगार बनती है, वही धूल शिशु के मुँह पर उसकी सहज पार्थिवता को निखार देती है। अभिजात वर्ग ने प्रसाधन-सामग्री में बड़े-बड़े आविष्कार किए लेकिन बालकृष्ण के मुँह पर छाई हुई वास्तविक गोधूलि की तुलना में वह सभी सामग्री क्या धूल नहीं हो गई?

(i) गोधूलि' किसे कहते हैं?

(ii) अभिजात वर्ग' से क्या अभिप्राय है? उनकी प्रसाधन सामग्री कैसे 'धूल' हो गई?

(iii) शिशु की कल्पना में धूल की कल्पना क्यों निहित है।

**अथवा**

ल्हाटू हमारे पीछे-पीछे आ रहा था और जब हम दक्षिणी शिखर के नीचे आराम कर रहे थे, वह हमारे पास पहुँच गया। थोड़ी-थोड़ी चाय पीने के बाद हमने फिर चढ़ाई शुरू की। ल्हाटू एक नायलॉन की रस्सी लाया था। इसलिए अंगदोरजी और मैं रस्सी के सहारे चढ़े जबकि ल्हाटू एक हाथ से रस्सी पकड़े हुए बीच में चला। उसने रस्सी अपनी सुरक्षा की बजाय हमारे संतुलन के लिए पकड़ी हुई थी। ल्हाटू ने ध्यान दिया कि मैं इन ऊँचाइयों के लिए सामान्यत: आवश्यक चार लीटर ऑक्सीजन की अपेक्षा, लगभग ढाई लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट की दर से लेकर चढ़ रही थी। मेरे रेगुलेटर पर जैसे ही उसने ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाई, मुझे महसूस हुआ कि सपाट और कठिन चढ़ाई भी अब आसान लग रही थी?

(1) ल्हाटू कौन था? वह लेखिका व उसके दल को कहाँ मिला?

(2) ल्हाटू ने रस्सी को किस उद्देश्य से पकड़ा हुआ था?

(3) ल्हाटू ने ऑक्सीजन की आपूर्ति क्यों बढ़ाई और उसका क्या प्रभाव हुआ?

**11. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर पठित कविताओं के आधार पर दीजिए :** 5

(क) 'रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय' कवि रहीम ने क्यों कहा है?

(ख) 'आदमी नामा' कविता में कवि ने आदमी के स्वभाव की किस विचित्रता को दर्शाया है?

(ग) कवि ने ईश्वर को गरीब निवाजु क्यों कहा है? रैदास के 'पदों' के आधार पर लिखिए।

12. मोती, मनुष्य और चून के संदर्भ में पानी की क्या उपयोगिता है? 5

13. महादेवी वर्मा को गिल्लू किस अवस्था में मिला व लेखिका ने उसका उपचार किस प्रकार किया ? 5

*अथवा*

मेरी रीढ़ की हड्डी में एक झुरझुरी-सी दौड़ गई–लेखक के इस कथन के पीछे कौन-सी घटना जुड़ी है ?

## खण्ड 'घ'

14. **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :** 5

(क) **जीवन में खेलों का महत्व :**

- अच्छे स्वास्थ्य की आधारभूमि
- खेल भावना से एकता
- मनुष्य के सर्वांगीण विकास का माध्यम

(ख) **पर्यावरण का संरक्षण :**

- पर्यावरण का अर्थ
- पर्यावरण प्रदूषण के खतरे
- धरती बचाने के लिए आवश्यक-पर्यावरण संरक्षण

(ग) **मेरा गाँव :**

- गाँव का वातावरण-परिवेश
- गाँव का आकर्षित करता अपनापन
- प्रकृति की निकटता का आनंद

15. **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए :** 5

अपनी माता जी को पत्र लिखकर अपने नये मित्रों के संबंध में जानकारी दीजिए।

**अथवा**

चाचा की ओर से भतीजे को पत्र लिखिए जिसमें उसे कुसंगति से दूर रहने की सलाह दी गई हो।

16. **चित्र वर्णन** 5

दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बद्ध होना चाहिए।

17. वृक्षों की कटाई के कारण वातावरण में बढ़ते प्रदूषण पर वृक्ष तथा मानव के बीच होने वाले संवाद को अपने शब्दों में लिखिए। 5

18. **फोन के लिए विज्ञापन ऑफर के साथ तैयार कीजिए।** 5

*****